सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 12 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 12 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

बीस साल की उम्र में इंसान अपनी इच्छा से चलता है, तीस में बुद्धि से और चालीस में अपने अनुमान से।
-बेंजामिन फ्रैंकलिन

चैंपियंस ट्रॉफी : हर्षित-वरुण को... 7 | चुनाव खत्म होते ही होने लगे... 3 | 'बजट में विकसित भारत का कोई... 2

भारतीय अर्थव्यवस्था को जोर का झटका

शेयर बाजार में सुनामी लाखों करोड़ डूबे

ज्यादातर एशियाई बाजारों में हरे निशान पर हो रहा है कारोबार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था का आईना शेयर बाजार होते हैं। भारतीय शेयर बाजारों में हाहाकार मचा हुआ है। जबकि ज्यादातर अन्य एशियाई बाजारों जैसे टोक्यो, बैंकॉक, सियोल, हांगकांग और जकार्ता के बाजारों में हरे निशान में कारोबार हो रहा है। आज भी लगभग मंगलवार जैसे हालात है। शेयर बाजारों ने खुलते ही डुबकी लगाई।

गौरतलब है कि मंगलवार को एक दिन में रिकार्ड 9 लाख करोड़ रूपये निवेशकों का डूब चुका था। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि क्या अर्थव्यवस्था इस समय के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। क्योंकि नौकरियों में संकट, बेरोजगारी चरम पर है, मंहगाई ने जीना दूभर कर रखा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति का भी असर फिलहाल नहीं दिखायी दे रहा है। ऐसे में फाइनेंशियल एक्सपर्ट लोगों को बचत के साथ कम खर्च करने की सलाह दे रहे हैं।

09 लाख करोड़ रूपये मंगलवार को एक दिन में निवेशकों का डूब चुका था।

पता नहीं किस दुनिया में रहती हैं वित्त मंत्री : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पता नहीं कि वह किस दुनिया में रहती हैं कि उन्हें महंगाई और बेरोजगारी नहीं दिखाई दे रही है। सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट के पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय मुद्रास्फीति दहाई के अंक में थी और 10 से अधिक पहुंच गई थी, लेकिन अब ऐसी स्थिति बिल्कुल नहीं है।

2000 के बाद शेयर बाजार में यह सबसे लंबा व बुरा दौर : नरेंद्र नाथ मिश्रा

आर्थिक मामलों पर अपने विचार रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र नाथ मिश्रा ने कहा है कि हालात कितने गंभीर हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 2000 के बाद शेयर बाजार में यह सबसे लंबा व बुरा दौर है लगातार बाजार गिरने का। 2008 और 2020 कोविड में भी लगातार पांच महीने बाजार एक सुर में नहीं गिरा था।

बेरोजगारी की समस्या

भारत में बेरोजगारी की दर बढ़ती जा रही है, जिससे युवा वर्ग खासा प्रभावित है। लाखों लोग नौकरी की तलाश में हैं, लेकिन नौकरियों की कमी और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण उन्हें सफलता नहीं मिल रही। यह स्थिति न केवल उनके लिए मानसिक तनाव का कारण बन रही है, बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

महंगाई की वृद्धि

भारत में महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे आम जनता की मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं। खाद्य पदार्थों, ईंधन, और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। महंगाई के कारण जीवन स्तर घटने लगा है और खर्च बढ़ते जा रहे हैं।

रुपये का गिरता मूल्य

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार गिर रहा है, जिससे भारत में आयातित वस्त्रों, तेल, और अन्य आवश्यक सामानों की कीमतें बढ़ रही हैं। इससे देश की महंगाई दर भी बढ़ रही है। रुपये का कमजोर होना आम नागरिकों की जेब पर सीधा असर डालता है, क्योंकि वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से उनका जीवन यापन और कठिन हो जाता है।

बायंग कैपेसिटी घट रही

धीरे-धीरे चीजें आम आदमी की पकड़ से दूर जा रही है, बायंग कैपेसिटी घट रही है और जीवन जीने के स्तर में कमी पेश आ रही है। रूपये के गिरते मूल्य ने विदेश में पढ़ाई कर रहे छात्रों के साथ इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट पर व्यापक असर डाला है। एक्सपर्ट की नजर में यह गिरावट कहां जाकर रूकेगी किसी को पता नहीं क्योंकि पूरे विश्व में ट्रंप की ताजपोशी के बाद अनिश्चित की स्थति बनती जा रही है। ट्रंप के फैसले किस वक्त कहां पर कैसे इम्पेक्ट करें पता नहीं। इजरायल-फिलिस्तीन के बाद ईरान-अमेरिका की जंग मुहाने पर खड़ी है। चाइना-रशिया-ईरान ट्रैगिल का क्या असर होगा यह भी अभी पता नहीं हैं।

कुछ महीनों से भारतीय शेयर बाजार कर रहा गिरावट का सामना

शेयर बाजार एक ऐसी जगह है जहाँ निवेशक अपने धन को निवेश करते हैं, और उम्मीद करते हैं कि वह भविष्य में लाभ अर्जित करेंगे। लेकिन पिछले कुछ महीनों से भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सामना करना पड़ा है। नकारात्मक वैश्विक आर्थिक संकेतकों, राजनीति में अस्थिरता और अन्य आंतरिक मुद्दों के कारण शेयर बाजार में यह गिरावट देखी जा रही है। निवेशकों के लिए यह समय बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है। सिर्फ मंगलवार को बड़ी गिरावट के कारण बीएसई पर

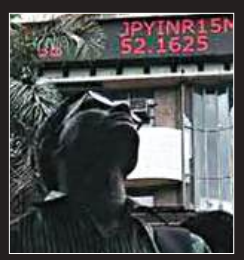

सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप 9 लाख करोड़ रुपये गिरकर 408 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

निवेश में विवेक का प्रयोग करें

शेयर बाजार में निवेश करने से पहले यह सुनिश्चित करें कि आपने अपनी पूंजी को विविधता में निवेश किया है। केवल एक या दो क्षेत्रों में निवेश करने के बजाय विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करें, ताकि जोखिम कम हो सके। महंगाई के इस दौर में अपनी बचत पर ध्यान देना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। खर्चों को नियंत्रित करने और आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी में विवेकपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता है।

आज बुधवार को भी कारोबारी सत्र में शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ खुले। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गयी। सुबह 9:33 बजे तक सेंसेक्स 428 की गिरावट के साथ 75,864 और निफ्टी 130 अंक की गिरावट के साथ 22,958 पर था। बिकवाली का सबसे अधिक दबाव मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में देखने को मिल रहा है।

स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान दें लोग

बेरोजगारी और आर्थिक दबाव के बावजूद, अपनी शिक्षा और स्वास्थ्य का ध्यान रखें। यह समय सीखने और कौशल विकास का है, जो भविष्य में नए अवसरों को जन्म दे सकता है। आर्थिक स्थिति की समझ और वित्तीय साक्षरता को बढ़ाना जरूरी है। इससे व्यक्ति को अपने वित्तीय निर्णय लेने में मदद मिल सकती है और आर्थिक संकट से निपटने में वह सक्षम हो सकता है। सरकार द्वारा पेश की गई योजनाओं और योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करें। सरकार गरीब और असहाय वर्ग के लिए कई योजनाएं चलाती है, जिन्हें समझ कर उनका लाभ उठाया जा सकता है। अगर नौकरी की तलाश में कठिनाई हो रही है, तो स्व-रोजगार का विकल्प चुन सकते हैं। छोटे व्यवसाय या फ्रीलांसिंग जैसे अवसरों की तलाश करें, जो अधिक लचीलापन और आय के स्रोत प्रदान कर सकते हैं।

'बजट में विकसित भारत का कोई रोड मैप नहीं'

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- सम्पन्न और पूंजीपति को किया गया है टार्गेट गरीब की कोई सुनवाई नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संसद में बजट को लेकर पीएम मोदी व एनडीए सरकार को जमकर घेरा। अपने सम्बोधन में कहा है कि यह बजट टार्गेटेड बजट है। फोकस है उनपर जो सम्पन्न है, पूंजीपति है। इस बजट में विकसित भारत का कोई रोड मैप नहीं दिख रहा है। बजट में पीडीए के उत्थान के लिए कुछ नहीं है।

सरकार बताए कि देश की जीडीपी क्यों गिर रही है। रुपया डॉलर के मुकाबले क्यों गिर रहा है। ग्रोथ रेट कम हो रही है। ग्रोथ रेट कम होने का कारण निवेश और उपभोग की कमी है। सरकार डिजिटल इंडिया का बहुत प्रचार कर रही थी।

आज साइबर अपराध डिजीटल अरेस्ट की घटनाएं बहुत बढ़ गयी है। डिजीटल अरेस्ट के माध्यम से लाखों करोड़ों रूपये लूटा जा रहा है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? डिजिटल इंडिया करते-करते साइबर अपराध कितना बढ़ गया।

यूपी की डबल इंजन की सरकार कर रही डबल ब्लंडर

उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार डबल ब्लंडर कर रही है। चार इंजन की सरकार में पहला इंजन कृषि और किसान है लेकिन आज तक किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। किसान आंदोलन कर रहे हैं। सरकार के पास किसान की आय दोगुनी करने का कोई रोड मैप नहीं। एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर हजारों किसानों की जान चली गयी। लेकिन आज भी एमएसपी की गारंटी नहीं मिल पायी। किसानों को स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार मदद नहीं दे रहे है। दलहन, तिलहन को बढ़ावा देने का मिशन अधूरा है। अभी तक दलहन तिलहन आयात करना पड़ रहा है। सौ जिलों के लिए घोषित प्रधानमंत्री धन धान्य योजना के लिए बजट नहीं है। किसानों की खराब आर्थिक स्थिति दर्शा रही है कि हमारा किसान गरीब है। सरकार ने फसल बीमा योजना का बहुत प्रचार किया लेकिन आंकड़े बताते है कि क्लेम 3 फीसदी से ज्यादा नहीं पहुंच पाया। कर्ज के कारण किसान आत्महत्या कर रहा है।

किसानों का कर्ज माफ हो

देश में कर्ज से दबे लाखों किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हैं। सरकार समय-समय पर बड़े-बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ करती है। किसानों का कर्ज माफ होना चाहिए। उन्हें कर्ज से मुक्ति दिलाना चाहिए। क्लाइमेट चेंज का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ता है। सरकार बताए कि उसके पास क्या रोड मैप है।

जीएसटी की विसंगतियों के कारण व्यापार प्रभावित

अखिलेश यादव ने कहा कि जीएसटी को लेकर सरकार बहुत प्रचार करती है। जीएसटी की विसंगतियों के कारण व्यापार प्रभावित होता है, व्यापारी उलझा हुआ है। जब तक व्यापारी समझ पाता है तब तक सरकार जीएसटी और तरीका बदल देती है। किसानों के जितने कृषि यंत्र हैं उन पर 18 फीसदी जीएसटी लिया जा रहा है। अगर विकसित भारत बनाना है तो कृषियंत्रों पर जीएसटी जीरो फीसदी होना चाहिए।अखिलेश यादव ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा कि असली तरक्की है, वही जो हर फर्क मिटाती है। जो हर तरफ खुशहाली के गुलशन खिलाती है।

बेनी प्रसाद वर्मा को किया याद

पूर्व केन्द्रीय मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा की 85वीं जयंती पर बाबूजी की याद में आयोजित जिला ओपन क्रिकेट लीग-2025 जे.एस.वी. कप का समापन नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने किया। उन्होंने बेनी बाबू के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश वर्मा, अरविंद सिंह गोप पूर्व मंत्री, श्रीमती सुधारानी वर्मा, ब्लॉक प्रमुख सिरौली श्रीमती रेनू वर्मा, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती जूही सिंह, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं गोण्डा लोकसभा की प्रत्याशी सुश्री श्रेया वर्मा एवं ऋषि वर्मा की उपस्थिति रहे।

लोग बकरी बेचकर शौचालय बनवा रहे

छत्तीसगढ़ में एक बुजुर्ग महिला ने बकरी बेचकर शौचालय का निर्माण कराया। प्रधानमंत्री जी ने उसे सम्मानित किया था, सवाल यह है कि आखिर बकरी बेचकर शौचालय क्यों बनवाना पड़ा। इसका मतलब यह है कि इस सरकार की बनायी स्कीम जमीन पर नहीं पहुंच रही है। उसके लिए पर्याप्त पैसा नहीं है। यह सरकार की जिम्मेदारी है, पैसा क्यों नहीं पहुंच रहा है। अब तक यह सरकार डबल इंजन का प्रचार करती थी, लेकिन लगता है कि डबल इंजन ने धोखा दे दिया इसलिए अब चार इंजन की बात कर रही है।

रुपया डालर के मुकाबले कम हो रहा

देश की जीडीपी ग्रोथ क्यों गिर रहा है। रूपया डालर के मुकाबले क्यों कम हो रहा है। यह देश की आर्थिक विकास की स्थिति पर प्रश्नचिह्न लगाता है। देश में भेदभाव बढ़ता जा रहा है। मुट्ठीभर लोगों के पास पूरे देश की सम्पदा पहुंच गयी। देश में ज्यादा लोग गरीब है। उनके जीवन यापन के लिए 80 करोड़ लोगों को राशन बांटना पड़ रहा है। क्या यही विकसित भारत की तस्वीर है। सरकार बताए कि जिन परिवारों को राशन दे रहे हैं उनकी पर कैप्टिल इनकम क्या है।

घृणित मानसिकता वालों से बीजेपी को कोई परहेज नहीं : रोहिणी आचार्य

» यूट्यूबर रणवीर अलाहाबादी के बहाने पीएम मोदी पर बरसीं लालू यादव की बेटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के परिवार में बेटों के साथ बेटियां भी अपने विरोधियों पर हमलावर रहती हैं। रोहिणी आचार्य हमेशा वर्चुअल रहकर कड़ी टिप्पणी करती रही हैं। जनवरी 2024 में जब महागठबंधन सरकार गिरी तो उसकी शुरुआत भी रोहिणी आचार्य के बयान से हुई थी।

अब रोहिणी आचार्य यूट्यूबर रणवीर अलाहाबादी के बहाने मुखर हुई हैं। सीधे पीएम मोदी पर निशाना साधा है। रोहिण आचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जिस आरएसएस, भाजपा और मोदी जी को आसाराम, राम रहीम, कुलदीप सेंगर, चिन्मयानन्द, प्रज्ज्वल रेवन्ना, बृज भूषण शरण सिंह, मुकेश बोरा, गुरुक पोरडुंग, कन्हैया लाल मिश्रा, विजय जॉली, भोजपाल सिंह जादोन, जयेश पटेल, अशोक मकवाना, बाबुश मोंसेरेट, धनंजय मुंडे जैसे बलात्कारियों व व्यभिचारियों से परहेज नहीं है, उन्हें रणवीर इलाहाबादिया जैसे घृणित मानसिकता वाले यू-ट्यूबर से कैसा परहेज होगा। उसके घिनौने वक्तव्य से कैसे गुरेज होगा। रोहिणी ने लिखा कि भाजपा और आरएसएस के पास इस मानसिक तौर पर विकृत यू- ट्यूबर जैसों की एक बड़ी फौज है। वह भाजपा की प्रॉपगैंडा टीम का अहम् हिस्सा है। तभी तो मर्यादा-संस्कृति-संस्कार की खोखली बातें करने वाले आरएसएस और भाजपा के नेता ऐसे लोगों के कुकर्मों, कुआचरण, सामाजिक, पारिवारिक मर्यादा और अस्मिता को तार-तार कर देने वाले सार्वजनिक मंच से दिए गए वक्तव्यों पर मौन साध लेते हैं।

क्या कानूनी कार्रवाई का साहस जुटा पाएगी नरेंद्र मोदी सरकार ?

राजद नेत्री ने सवाल पूछा पूछा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सरकारी सम्मान नेशनल यूथ आइकॉन अवार्ड से नवाजे गए इस यू-ट्यूबर से सम्मान वापस लें। इस पर कानूनी कार्रवाई का साहस मोदी सरकार जुटा पाएगी? क्या ऐसे विकृत शख्स को अपने हाथों सम्मानित करने के लिए देश से माफी मांगेंगे?

सरकारी संपत्ति किसी को देना गलत : पटवारी

रेडक्रास भवन सेवा भारती को दिए जाने के विरोध में उतरे कांग्रेसी, सरकारी दबाव में लिया गया निर्णय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भारतीय रेडक्रास सोसाइटी, मध्य प्रदेश राज्य शाखा द्वारा भोपाल के इतवारा रोड स्थित रेडक्रास भवन को सेवा भारती को सौंपे जाने के निर्णय के विरोध में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों में शुरू की गई संवैधानिक संस्थाओं और देश के संस्थागत ढांचे को भारतीय जनता पार्टी हमेशा से ही हड़पने का काम करती रही है।

इसका ताजा उदाहरण राजधानी भोपाल के इतवारा रोड रेडक्रास भवन को नियमविरूद्ध तरीके से आरएसएस के अनुसांगिक संगठन सेवा भारती को सौंपा जाना है। पटवारी ने सवाल किया कि खाली पड़े इस भवन का उपयोग करने के लिए किसी गैर-राजनीतिक संगठनों को क्यों नहीं चुना गया, क्या यह निर्णय सरकारी दबाव में लिया गया है। उन्होंने कहा कि रेडक्रास भवन को सेवा भारती को दिये जाने के फैसले पर पुनर्विचार किया जाए और भवन का उपयोग वास्तव में तटस्थ और निष्पक्ष जनहितैषी संगठनों के लिए किया जाये। यह भवन सभी समुदायों के लिए समान रूप से उपयोगी होना चाहिए, न कि किसी विशेष विचारधारा का प्रचार करने का माध्यम बनना चाहिए।

पटवारी ने कहा कि यह भवन कांग्रेस सरकार के दौरान रेडक्रास सोसायटी को दिया गया था, जो मूलतः सरकार की संपत्ति है और किसी राजनैतिक संगठन को इसे दिया जाना नियमों के विरूद्ध है। उन्होंने कहा कि पूर्व शिक्षा मंत्री मुकेश नायक द्वारा राजधानी भोपाल में रेडक्रास अस्पताल का शुभारंभ एक डाक्टर के साथ कराया गया था जब नायक ने इस संस्था को छोड़ा तक उसमें 70 डाक्टर कार्यरत थे और राजधानी के अधिकांश मरीज इस संस्था में अपना इलाज सुलभ और सस्ती दरों पर कराने के लिए आते थे। इतना ही नहीं नायक के कार्यकाल में दूसरा अस्पताल सिद्धांता रेडक्रास नाम से बना जो मप्र का नंबर वन अस्पताल के रूप में विख्यात है।

दिल्ली दौरे पर सीएम मोहन यादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बुधवार को दिल्ली दौरे पर हैं। यहां वो होटल ताजमहल में इंवेस्ट एमपी जीआईएस-2025 के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम के अंतर्गत देश-विदेश के निवेशकों को

मध्य प्रदेश में निवेश करने को लेकर चर्चा कर उन्हें आमंत्रित करेंगे। मुख्यमंत्री निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग और इंटरैक्टिव राउंडटेबल कर आगामी ग्लोबल समिट के नवाचारों से अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निवेशकों से मुलाकात कर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं और सरकार की औद्योगिक नीतियों के साथ साथ प्रतिबद्धता से अवगत कराएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत सीआईआई नॉर्दर्न रीजन चेयरमैन माधवकृष्ण सिंघानिया, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर और जे.के सीमेंट सीईओ के स्वागत संबोधन से होगी।

यूपी बजट सत्र पर योगी सरकार को घेरेगा विपक्ष

» सत्ता पक्ष व विपक्ष ने पूरी की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी से शुरू होगा और 5 मार्च तक चलेगा। 16 दिनों तक चलने वाले सत्र के हंगामेदार होने के आसार हैं। हालांकि सदन शांतिपूर्ण चलाने के लिए कवायद की जा रही है।

18 फरवरी को सत्र की शुरुआत विधानसभा और विधान परिषद की संयुक्त बैठक में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण से होगी। प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर विपक्ष ने सदन में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। इन सबके बीच विधानसभा सत्र 5 मार्च तक चलाने की रूपरेखा फाइनल हो गई है। इस बार प्रदेश का बजट लगभग आठ लाख करोड़ रुपये का होने की उम्मीद है, जो केंद्रीय बजट का लगभग 16 फीसदी होगा। इस बजट में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत राज्य को बढ़े हुए आवंटन को शामिल किया जाएगा।

मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा की एकतरफा जीत के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आक्रामक तेवरों को देखते हुए साफ है कि इस मुद्दे पर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में खींचतान होगी।

चुनाव खत्म होते ही होने लगे मोल-भाव!

आप की हार के बाद अपनों के निशाने पर आई कांग्रेस

- टीमएसी-सपा व यूबीटी शिवेसना ने उठाए सवाल
- इंडिया गठबंधन को एकजुट करने की फिर हो कोशिश
- बिहार- बंगाल विस चुनाव से पहले मच सकती है रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आप की हार और भाजपा की जीत पर पूरे देश में चर्चा व सियासी विश्लेषण तेजी से शुरू हो गई है। इन चर्चाओं में आप से ज्यादा कांग्रेस पर टिप्पणी हो रही है। बहुत से विपक्षी तो कांग्रेस की आलोचना कर ही रहे हैं उसके अपने सहगयोगी दल चाहे टीएमसी हो, यूबीटी शिवेसना हो या सपा उसपर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं। इनसब टिप्पणियों के बीच कांग्रेस के अपने ही नेता भी उसको आइना दिखा रहे हैं।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम राष्ट्रीय राजधानी में मुस्लिम समुदाय के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। अल्वी ने कहा कि अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर दिल्ली चुनाव लड़ा होता तो बीजेपी को जीत नहीं मिलती। कांग्रेस आलाकमान को तय करना है कि हमें अपने सहयोगियों के साथ जाना है या अकेले चुनाव लड़ना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो हुआ वह दिल्ली के मुसलमानों के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली के इस चुनाव ने उन्हें यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि बीजेपी हमारी (कांग्रेस) वजह से चुनाव जीती है। अगर हमें बीजेपी को हराना है तो हमें गठबंधन में शामिल सभी दलों का सम्मान करना होगा और गठबंधन को मजबूत करना होगा और एकजुट होकर चुनाव लड़ना होगा। भाजपा ने शनिवार को 70 विधानसभा सीटों में से 48 सीटें जीतकर 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की। 5 फरवरी को हुए चुनाव में आप ने 22 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे से लौटने के बाद अगले हफ्ते बीजेपी सत्ता पर दावा पेश कर सकती है। पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में भाजपा का वोट शेयर लगभग 13 प्रतिशत अंक बढ़ा है, जबकि इसी अवधि के दौरान आप का वोट शेयर लगभग 10 प्रतिशत अंक कम हुआ है।

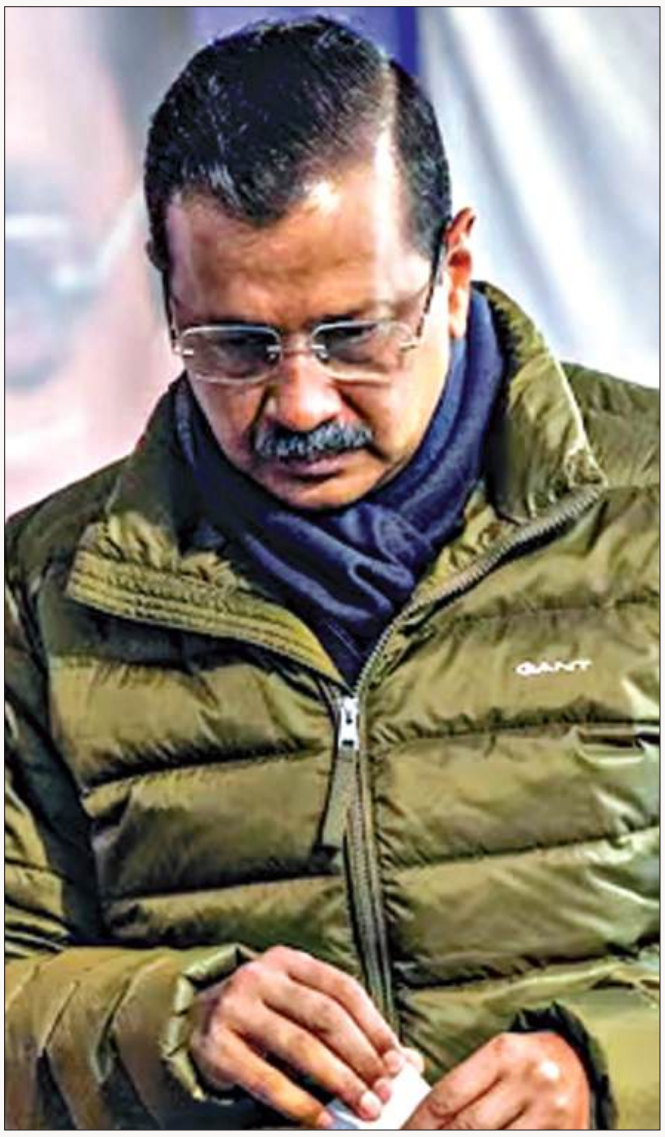

टीएमसी बंगाल में 2026 का चुनाव अकेले लड़ेगी : ममता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अभी एक साल का समय बाकी है। लेकिन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी 2026 का चुनाव अकेले लड़ेगी। बंगाल विधानसभा के बजट सत्र से पहले एक आंतरिक बैठक के दौरान, बनर्जी ने अपने विधायकों से कहा कि टीएमसी अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हम अगले साल बंगाल में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ वापस आएंगे। कांग्रेस की यहां कोई हिस्सेदारी नहीं है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि बनर्जी ने दिल्ली चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए बैठक में उल्लेख किया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने राजधानी या हरियाणा में एक-दूसरे की मदद नहीं की है। मुख्यमंत्री के दावे से यह स्पष्ट हो गया है कि इंडिया ब्लॉक के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक टीएमसी राज्य में कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेगी। बनर्जी की टिप्पणियों से पता चलता है कि जहां वह चुनाव से पहले अपने विधायकों का आत्मविश्वास बढ़ा रही हैं, वहीं वह कांग्रेस को एक कड़ा संदेश भी भेज रही हैं, जिसके साथ टीएमसी का गर्म और ठंडा रिश्ता है। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद, कांग्रेस ने बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ संबंधों को सुधारने के प्रयास में अधीर रंजन चौधरी की जगह शुभंकर सरकार को बंगाल इकाई का अध्यक्ष बनाया। सरकार को अपने पूर्ववर्ती की तुलना में टीएमसी के खिलाफ नरम रुख अपनाने के लिए जाना जाता है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह बदलाव सबसे पुरानी पार्टी के लिए काम नहीं आया है। इंडिया ब्लॉक में भी, टीएमसी ने कांग्रेस से दूरी बनाए रखी है, और दिल्ली चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद, बनर्जी कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करने के बारे में स्पष्ट हैं। ममता बनर्जी ने अपने विधायकों और मंत्रियों से यह भी कहा कि टीएमसी 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में दो-तिहाई बहुमत के साथ 2026 का चुनाव अपने दम पर जीतेगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वह टीएमसी रैंक और फाइल के भीतर किसी भी अंदरूनी कलह या गुटबाजी को बर्दाश्त नहीं करेंगी। बनर्जी ने अपनी पार्टी के नेताओं से सावधान रहने को भी कहा क्योंकि भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव जीतने के लिए मतदाता सूची में विदेशियों के नाम शामिल करने की कोशिश कर सकती है। इसके अलावा, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को दूसरे नंबर की नेता मानने वाली ममता बनर्जी ने यह कहकर अपने नेताओं को चौंका दिया कि उनका कोई परिवार नहीं है।

दिल्ली चुनाव परिणाम से सबक ले कांग्रेस

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे चिंताजनक थे और उन्होंने कांग्रेस से पहाड़ी राज्य में 2027 के विधानसभा चुनाव जीतने के लिए सबक सीखने का आग्रह किया। फेसबुक पर एक पोस्ट में रावत ने तर्क दिया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन नतीजों की दिशा बदल सकता था, उन्होंने केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी को लताड़ा और कहा कि अगर गठबंधन सहयोगियों, विशेष रूप से आप, ने कांग्रेस को बाहर निकालने का लक्ष्य नहीं रखा होता, तो दिल्ली में दोनों पार्टियों के बीच एक रणनीतिक गठबंधन बन सकता था। लेकिन केजरीवाल के अहंकार ने इसे संभव नहीं बनाया। हमारी साझेदारी टूट गई और आप का वोट बैंक टूट गया और इसका सीधा असर आप की संख्या पर पड़ा।

जो होना था सो हो गया, अब मिल बैठकर बात करना चाहिए : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि सभी सहयोगी दलों को मिल बैठकर बात करनी चाहिए तो वहीं दिल्ली चुनाव के नतीजों को लेकर वह बोले की जो होना था सो हो गया। मल्लिकार्जुन खरगे से जब यह पूछा गया कि दिल्ली चुनाव के नतीजे के बाद इंडिया गठबंधन की सहयोगी पार्टियों कांग्रेस पर निशाना साध रही हैं, इसपर उनकी क्या राय है. इसके जवाब में खरगे ने कहा कि वह इस पर कोई कमेंट नहीं करना चाहते हैं, दिल्ली चुनाव में जो भी कुछ हुआ है, इसको सोच समझकर, एनालाइज कर के बोलना पड़ता है, उन्होंने कहा कि एक दूसरे पर ब्लेम करने का कोई फायदा नहीं है., अगर मिलजुल कर चलना है तो सभी लोगों को बैठकर बात करनी चाहिए। ठबंधन का फ्यूचर क्या है कि सब ठीक है, सभी मिलजुल कर काम करेंग वहीं जब दिल्ली में नतीजे को लेकर उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जो होना था सो हो गया। खास बात ये है कि लोकसभा चुनाव के बाद से इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दलों की बैठक नहीं हुई है और जैसा कि मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है कि मिलजुल कर सभी सहयोगी दलों को बात करने की जरूरत है तो अब यह देखना है कि अगली इंडिया गठबंधन की बैठक कब होगी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।

कांग्रेस के साथ बातचीत जारी रखें ममता : राउत

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता संजय राउत ने कहा कि बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा स्वतंत्र रूप से लोकसभा या विधानसभा चुनाव लड़ा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ तृणमूल कांग्रेस के गठबंधन से इनकार करने के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने जोर देकर कहा कि उन्हें कांग्रेस के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव में विपक्ष की विफलता के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया, 2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए सबसे पुरानी पार्टी के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया।

सभी को सलाह, मिलकर काम करने की जरूरत : कपिल सिब्बल

विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के भीतर प्रमुख दलों को हाल ही में मिली असफलताओं ने आत्मनिरीक्षण और रणनीतिक पुनर्गठन की मांग को जन्म दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भविष्य की चुनावी चुनौतियों से निपटने के लिए गठबंधन दलों के बीच सावधानीपूर्वक सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सिब्बल ने 2020 के बिहार चुनावों में कांग्रेस पार्टी के संघर्षों का हवाला दिया, जहां उनके प्रदर्शन ने बहुमत के लिए महागठबंधन की रेस में बाधा उत्पन्न की। सिब्बल ने अतीत की प्रतियोगिताओं में कांग्रेस की प्रभावशीलता पर राजद की आलोचनाओं का हवाला देते हुए कहा कि आंतरिक कलह कभी-कभी सामूहिक प्रयासों को प्रभावित करती है। दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की जीत पर विचार करते हुए, सिब्बल ने चुनावों के दौरान अपनी एकजुट कमान संरचना के माध्यम से भाजपा को मिलने वाले लाभ को स्वीकार किया। उन्होंने राष्ट्रीय चुनावों पर केंद्रित राष्ट्रीय गठबंधन के शरद पवार के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए, आगामी चुनावों के लिए इंडिया गठबंधन को बुलाने और रणनीति बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यसभा सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा मिलजुल कर काम करने और सहमति से आगे बढ़ने की कोशिश करती है। यह सच है कि कई बार दिक्कतें आती हैं। बिहार में पिछले चुनाव में कांग्रेस को सीटें दी गईं लेकिन वे जीत नहीं सके और राजद ने कहा कि वह कांग्रेस के कारण सत्ता में नहीं आ सके। उन्होंने कहा कि सभी दलों को यह तय करना होगा कि चुनाव कैसे लड़ना है। भाजपा में फायदा यह है कि एक ही कमांड है और वे उसी कमांड के तहत चुनाव लड़ते हैं, इसलिए उन्हें फायदा भी होता है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में कांग्रेस ने गठबंधन में चुनाव लड़ा और उन्हें फायदा मिला। उन्हें (इंडिया गठबंधन को) बैठकर काम करना होगा। सिब्बल ने कहा कि शरद पवार ने कई बार दोहराया कि राष्ट्रीय गठबंधन तभी लागू होता है जब राष्ट्रीय चुनाव होते हैं और यह क्षेत्रीय चुनावों में लागू नहीं होता है। हमारी क्षेत्रीय पार्टियाँ राज्य के बाहर भी कुछ पदचिह्न रखना चाहती हैं और राष्ट्रीय दल चाहते हैं कि उनके पदचिह्न कम न हों, इसलिए यह चर्चा सभी इंडिया गठबंधन सहयोगियों की सहमति से आगे बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत गठबंधन बरकरार रहेगा। जो लोग हमारे क्षेत्रीय दलों का नेतृत्व संभालते हैं, वे बहुत समझदार लोग हैं और वे जानते हैं कि हम किन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

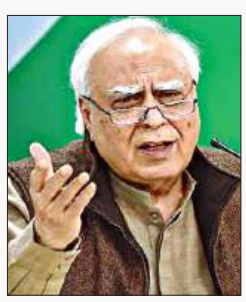

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब रूकेगा सिवरेज की सफाई कर्मियों का शोषण

जुलाई 2022 में लोकसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार पांच साल में सीवर सफाई के दौरान 347 लोगों की मौत हुई। पांच सालों में भारत में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान कम से कम 347 लोगों की मौत हुई, जिनमें से 40 प्रतिशत मौतें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और दिल्ली में हुई। कोलकाता शहर में सिवरेज की सफाई के दौरान तीन श्रमिकों की मौत हो गई।

सरकार द्वारा सफाई व्यवस्था पर पूरे देश में ढिंढोरा पीटा जाता है। पर सीवर की सफाई की वजह से देशभर में सैकड़ों लोग अपनी जान गवां देते हैं पर प्रशासन कुछ दिन खाना-पूर्ति कर अपने काम से हाथ झाड़ लेता है। जुलाई 2022 में लोकसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार पांच साल में सीवर सफाई के दौरान 347 लोगों की मौत हुई। पांच सालों में भारत में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान कम से कम 347 लोगों की मौत हुई, जिनमें से 40 प्रतिशत मौतें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और दिल्ली में हुईं। कोलकाता शहर में सिवरेज की सफाई के दौरान तीन श्रमिकों की मौत हो गई। देश में सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने 20 अक्टूबर 2023 को कहा था कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजन को 30 लाख रुपए मुआवजा देना होगा।सीवर की सफाई के दौरान कोई सफाईकर्मी स्थायी दिव्यांगता का शिकार होता है तो न्यूनतम मुआवजे के रूप में उसे 20 लाख रुपए दिया जाएगा। वहीं, अन्य दिव्यांगता पर अफसर उसे 10 लाख रुपए तक का भुगतान करेंगे।

जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स को सीवर से होने वाली मौतों से संबंधित मामलों की निगरानी करने से ना रोके जाने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, 1993 के बाद से सीवर और सेप्टिक टैंक से होने वाली मौतों के 1,248 मामलों में से इस साल मार्च तक 1,116 मामलों में मुआवजे का भुगतान किया गया है, हालांकि, 81 मामलों में मुआवजे का भुगतान अभी भी लंबित है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि राज्यों द्वारा 51 मामले बंद कर दिए गए हैं क्योंकि मृत व्यक्तियों के कानूनी उत्तराधिकारी नहीं मिल सके। सरकारे और अधिकारी प्राय: मानते हैं कि न्यायालय आदेश करता रहता है। वह करें। उन्हें काम अपनी मर्जी से करना है। इसी कारण सिवरेज की सफाई में लगे कर्मचारियों को कार्य के दौरान न सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराएं जाते हैं, न मौत होने पर मुआवजा दिया जाता है। पीड़ित के परिवार वाले न ज्यादा शिक्षित होते हैं, न संपन्न। उन्हें न्यायालय के आदेश की जानकारी ही नही होती। इतना धन भी नहीं होता कि वह न्यायालय की शरण में जाएं। इसका फायदा विभागीय अधिकारी उठाते हैं। वह अपनी मनमर्जी करते हैं। ऐसा प्राय: सभी जगह होता है। सिवरेज की सफाई में लगे कर्मचारियों की मौत की घटनाएं रोकने के लिए, उन्हें मैनुअल सिवरेज की सफाई के आदेश देने वालों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराने से ही मौत रूकेंगी, अन्यथा नहीं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मनुष्य के अस्तित्व के लिए चुनौती बनते हालात

ज्ञानेन्द्र रावत

आज के समय में पर्यावरण, जैव विविधता और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की जो स्थिति बनी है, वह मानव के असीमित लोभ और संसाधनों की अंधी चाहत का परिणाम है। मौसम में आए अत्यधिक बदलाव, पारिस्थितिकी तंत्र में गिरावट और आर्थिक-सामाजिक ढांचे में संकट इन सबका प्रत्यक्ष परिणाम हैं। यह बदलाव अचानक नहीं हुआ है, बल्कि वर्षों से पर्यावरणविद, हमें चेतावनी दे रहे थे कि यदि हमने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। हम अब उस स्थिति में पहुंच चुके हैं जहां से वापसी करना बहुत मुश्किल है। दुनिया के स्तर पर जैव विविधता की बात करें तो अमेरिका की ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ के एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पेड़-पौधों की मौजूदगी लोगों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। मानसिक रोगियों पर किये गये अध्ययन में कहा गया है कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पायी गयी है।

वहीं, जैव विविधता वाली जमीन पर कब्जे की घटनाओं में तीव्र वृद्धि हो रही है, खासकर 2008 के बाद से। ये घटनाएं विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में हो रही हैं, जिनका असर वैश्विक स्तर पर भूमि असमानता, खाद्य असुरक्षा, किसान विद्रोह और ग्रामीण पलायन में वृद्धि कर रहा है। इस प्रवृत्ति ने छोटे और मंझले खाद्य उत्पादकों को संकट में डाल दिया है। मानसिक स्वास्थ्य की विशेषज्ञ प्रोफेसर एंड्रिया मेचली के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता की तेज गिरावट से सिर्फ प्राकृतिक पर्यावरण नहीं, बल्कि उसमें रहने वाले लोगों का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। बीते दो दशकों में समूची दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर पहाड़ी जंगल नष्ट हो गये हैं। जबकि पहाड़ दुनिया के 85 फीसदी से ज्यादा पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों के आश्रय स्थल हैं।

गौरतलब यह है कि हर साल जितना जंगल खत्म हो रहा है, वह एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर में फैले देश जर्मनी, नार्डिक देश आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों के क्षेत्रफल के बराबर है। लेकिन दुख और चिंता की

बात यह है कि इसके अनुपात में नये जंगल लगाने की गति बेहद धीमी है। जहां तक धरती का फेफड़ा कहे जाने वाले दक्षिण अमेरिका के अमेजन बेसिन के बहुत बड़े भूभाग पर फैले अमेजन के वर्षा वनों का सवाल है, वे विनाश के कगार पर हैं। बढ़ते तापमान, भयावह सूखा, वनों की अंधाधुंध कटाई और जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं के चलते अमेजन के जंगल खतरे के दायरे में हैं। दरअसल, दुनिया में जंगलों का सबसे ज्यादा विनाश ब्राजील में हुआ है और यह सिलसिला आज भी जारी है। उसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो और बोलीविया का नम्बर आता है। यदि मैरीलैंड यूनिवर्सिटी और वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के ग्लोबल वाच की हालिया रिपोर्ट की मानें तो दुनियाभर में साल 2023 में 37 लाख हेक्टेयर जंगल नष्ट हो गये। भारत में बीते 30 वर्षों में जंगलों की कटाई में भारी बढ़ोतरी हुई है। भले ही इसके प्राकृतिक कारण हों या मानवीय। इसमें देश के पांच राज्यों यथा आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखंड, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश शीर्ष पर हैं जहां देश में आग से सबसे ज्यादा जंगल तबाह हुए हैं। यह सिलसिला आज भी जारी है। यदि ग्लासगो में हुए कॉप-26 सम्मेलन की बात करें तो इसमें दुनिया के 144 देशों ने 2030 तक इन जंगलों को बचाने का संकल्प लिया था। गौरतलब है कि यदि दुनिया में वनों की कटाई पर रोक लगायी जाती है तो एक अनुमान के आधार पर उस हालत में 900 अरब डालर की रकम खर्च होगी। अभी दुनिया में जंगलों को बचाने पर सालाना तीन अरब डालर की राशि खर्च की जा रही है।

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी की कंजरवेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट की वैज्ञानिक के अनुसार जंगलों को बचाने के लिए दुनियाभर की सरकारों को सालाना 130 अरब डालर खर्च करने होंगे। यदि 2030 तक वनों की कटाई पर काबू नहीं पाया गया तो आने वाले समय में यह खर्च कई गुणा बढ़ जायेगा और कार्बन उत्सर्जन में बढ़ोतरी से पर्यावरणीय समस्याएं और विकराल रूप धारण कर लेंगी। चिंता की बात यह है कि वैज्ञानिकों की इस बारे में एकमुश्त राय है कि ऊर्जा, उत्पाद और दूसरी सामग्रियों के लिए दुनियाभर की कंपनियों की नजर जैव विविधता पर है।

नई 'सुपर-अर्थ' में जीवन की उम्मीदें

मुकुल व्यास

वैज्ञानिकों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने सूर्य जैसे निकटवर्ती तारे के आवास योग्य क्षेत्र में परिक्रमा कर रही एक 'सुपर-अर्थ' (विराट पृथ्वी) की खोज की पुष्टि की है। वैसे हमारे सौरमंडल से बाहर 5830 ग्रहों की उपस्थिति की पुष्टि हो चुकी है, हालांकि ऐसे ग्रहों की संख्या अरबों में हो सकती है। ऐसे बाहरी ग्रहों को एक्सोप्लैनेट भी कहा जाता है। खगोल वैज्ञानिकों का मुख्य फोकस पृथ्वी जैसे चट्टानी ग्रहों पर है जहां परिस्थितियां आवास योग्य हैं। नई सुपर-अर्थ की खोज मूल रूप से ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ.माइकल क्रेटिग्नियर ने की थी। दो दशकों से अधिक के अवलोकनों पर आधारित यह परिणाम भविष्य में पृथ्वी जैसे बाहरी ग्रहों के अध्ययनों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां जीवन के लिए उपयुक्त परिस्थितियां हो सकती हैं।

दरअसल, एचडी 20794 डी नामक नए ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी से छह गुना है और यह हमारे सूर्य के समान एक तारे की परिक्रमा करता है, जो केवल 20 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। इसकी कक्षा इसे अपने तारे के रहने योग्य क्षेत्र में रखती है। इसका अर्थ है कि यह अपने तारे से सही दूरी पर है ताकि इसकी सतह पर तरल पानी बना रहे, जो कि जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। डॉ. क्रेटिग्नियर ने पहली बार 2022 में चिली में ला सिला वेधशाला में हार्प्स (हाई एक्यूरेसी रेडियल वेलोसिटी प्लैनेट सर्चर) स्पेक्ट्रोग्राफ द्वारा दर्ज किए गए संगृहीत डेटा का विश्लेषण करते हुए एक बाहरी ग्रह के संभावित सिग्नल की पहचान की। यह डेटा वस्तुओं द्वारा अवशोषित और उत्सर्जित प्रकाश का विश्लेषण करता है। डॉ. क्रेटिग्नियर ने मेजबान तारे द्वारा उत्सर्जित प्रकाश के स्पेक्ट्रम में अलग-अलग, आवधिक बदलाव देखे, जो किसी नजदीकी ग्रह के गुरुत्वीय खिंचाव के कारण हो सकते थे। हालांकि, सिग्नल की मंदता के कारण यह स्पष्ट नहीं था कि यह किसी ग्रह के कारण हुआ था, जो तारे द्वारा ही प्रेरित था, या किसी यंत्र की त्रुटि के कारण हुआ था।

सिग्नल की पुष्टि करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय टीम ने हार्प्स टेलीस्कोप और चिली में ही उसके उत्तराधिकारी, एस्प्रेसो द्वारा दो दशकों में दर्ज किए गए अत्यधिक सटीक मापों का विश्लेषण किया। ये उपकरण प्रकाश स्पेक्ट्रम में सूक्ष्म बदलावों को मापने के लिए दुनिया में सबसे उन्नत उपकरणों में से हैं। डॉ. क्रेटिग्नियर ने कहा, हमने वर्षों तक डेटा विश्लेषण पर काम किया, धीरे-धीरे दूषण के सभी संभावित स्रोतों का विश्लेषण करके उनका उन्मूलन किया। ग्रहों के सिग्नल को पृष्ठभूमि शोर और उपकरण के सूक्ष्म प्रभावों से अलग करने के लिए उन्नत विधियों और सावधानीपूर्वक विश्लेषण की आवश्यकता थी। दो उपकरणों के परिणामों को मिलाकर अंतत: बाहरी ग्रह की खोज की पुष्टि की गई। क्रेटिग्नियर ने कहा, रोमांचक बात यह है कि यह ग्रह केवल 20 प्रकाश वर्ष दूर है। इसका मतलब है कि भविष्य के अंतरिक्ष मिशन इस सुपर-अर्थ की छवियां प्राप्त करने की उम्मीद रख सकते हैं। डॉ. क्रेटिग्नियर ने कहा, मेरा काम मुख्य रूप से इन अज्ञात दुनियाओं को खोजना है। मैं अब यह सुनने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि अन्य वैज्ञानिक हमें इस नए खोजे गए ग्रह के बारे में क्या बता सकते हैं। यद्यपि यह ग्रह अपने तारे के आवास योग्य क्षेत्र में स्थित है, फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्या यह जीवन की मेजबानी कर सकता है।

इस ग्रह की कक्षा गोलाकार नहीं है बल्कि अंडाकार है। अपने तारे से इसकी दूरी काफी हद तक बदलती रहती है, जिससे ग्रह अपने पूरे वर्ष में आवास योग्य क्षेत्र के बाहरी किनारे से आंतरिक किनारे की ओर बढ़ता रहता है। जो भी हो, पृथ्वी से अपेक्षाकृत निकटता के कारण यह ग्रह भविष्य के मिशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह हमारे सौर मंडल के बाहर जीवन के संकेतों का पता लगाने के लिए डिजाइन की गई आगामी अंतरिक्ष परियोजनाओं को परखने का अवसर प्रदान करेगा। इनमें एक्सट्रीमली लार्ज टेलीस्कोप, हैबिटेबल वर्ल्ड्स ऑब्जर्वेटरी और लार्ज इंटरफेरोमीटर फॉर एक्सोप्लैनेट्स शामिल हैं। ये उपकरण जीवन के संकेत देने वाले जैविक चिन्हों के लिए पृथ्वी जैसे बाहरी ग्रहों के वायुमंडल का निरीक्षण करेंगे। खगोल वैज्ञानिकों के लिए बाहरी ग्रहों की प्रत्येक खोज ग्रह निर्माण, सौरमंडल की वास्तुकला और तारों के आवास योग्य क्षेत्रों के मॉडल को परिष्कृत करने का अवसर है। प्रत्येक नया ग्रह वैज्ञानिक प्रयास में और अधिक डेटा एकत्र करता है ताकि यह समझा जा सके कि क्या हो रहा है और चीजें इस तरह कैसे हुईं।

कुछ ग्रहों में असामान्य विशेषताएं होती हैं जिनके लिए गहन अध्ययन और विस्तृत अवलोकन की आवश्यकता पड़ती है। नासा के एक नए टेलीस्कोप से जीवन अनुकूल बाहरी ग्रहों की खोज की दिशा में बड़ी प्रगति हो सकती है। इसे एक ऐसी अजीबोगरीब नई दुनिया की खोज के लिए डिजाइन किया गया है जो जीवन के लिए अनुकूल हो। हैबिटेबल वर्ल्ड्स ऑब्जर्वेटरी नामक यह टेलीस्कोप इतना विशाल है कि इसे अंतरिक्ष तक पहुंचने के लिए स्पेसएक्स के स्टारशिप जैसे अगली पीढ़ी के मेगा रॉकेट की सवारी करने की भी आवश्यकता पड़ सकती है। लाखों प्रकाश-वर्ष दूर पृथ्वी के जुड़वां की खोज के लिए इसे नए तकनीकी नवाचारों की भी आवश्यकता होगी। फिर भी, इतनी भारी मांगों के बावजूद इस परियोजना को 2020 के खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी सर्वेक्षण (एस्ट्रो 2020) में सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में चुना गया। इस रिपोर्ट का उद्देश्य खगोल विज्ञान समुदाय के लिए एक रोडमैप निर्धारित करना है।

बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए खिलाएं ये फूड्स

बच्चे के विकास में खान पान की चीजें बहुत बड़ी भूमिका निभाती हैं। अगर पेरेंट्स बचपने से ही उन्हें हेल्दी चीजें खिलाएं, तो उनकी सेहत और हाइट दोनों अच्छी होगी। कई बार जेनेटिक कारणों की वजह से भी बच्चे की हाइट नहीं बढ़ती है। अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से परेशान हैं, तो उनकी डाइट में कुछ फूड्स को शामिल कर सकते हैं, जिन्हें खाने से बच्चे की हाइट में सुधार हो सकता है।

अंडे

अंडे प्रोटीन का समृद्ध स्रोत है। इसमें विटामिन बी12 पाया जाता है। जो बच्चे की लंबाई बढ़ाने में मददगार है। अगर आप अपने बच्चे की हाइट बढ़ाना चाहते हैं, तो उनकी डाइट में अंडे जरूर दें। इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। अंडा हृदय रोग से बचाता है। अंडा मांसपेशियां मजबूत करता है। अंडा के सेवन से मस्तिष्क स्वास्थ्य रहता है। अंडा आयु संबंधित गिरावट से आपकी आंखों की रक्षा करता है। अंडा अच्छी ऊर्जा उत्पादन करता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

बच्चे के विकास के लिए हरी सब्जियां भी खिला सकते हैं। इसमें विटामिन-ए, विटामिन-सी, विटामिन-के, फाइबर, फोलेट, मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

सोयाबीन

सोयाबीन शाकाहारियों के लिए प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसमें मौजूद पोषक तत्व हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। जिससे लंबाई बढ़ने में मदद मिलती है। आप सोयाबीन की स्वादिष्ट डिशेज बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं। सोयाबीन हेल्दी वेट गेन और वेट लूज में भी मदद करता है, बशर्ते उसे सीमित मात्रा में खाया जाए तो। सोयाबीन में फाइबर और प्रोटीन अत्यधिक मात्रा में होता है। इसलिए यह उन लोगों के लिए भी फायदेमंद है जो वजन घटाना चाहते हैं और उन लोगों के लिए भी जो बढ़ते वजन को कम करना चाहते हैं।

फिश

बच्चे के विकास में मछली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड, आयरन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, सेलेनियम और कई महत्वपूर्ण विटामिन्स पाए जाते हैं। जो बच्चे के विकास में सहायक है।

केला

पौष्टिक गुणों से भरपूर केला बच्चे की लंबाई बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है। यह फल कैल्शियम, पोटैशियम, मैंगनीज, घुलनशील फाइबर जैसे कई आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इस फल को उन्हें जरूर खिलाएं। केला खाने से अतिरिक्त ऊर्जा मिलती है। अगर आप कोई मेहनत का काम करते हैं तो केला जरूर खाएं, क्योंकि केला हमारे शरीर को अत्यधिक ऊर्जा प्रदान करता है, शरीर में ऊर्जा बनाए रखने और व्यायाम करने के लिए केला बहुत महत्वपूर्ण होता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स

बच्चों की लंबाई बढ़ाने के लिए आप उन्हें दूध, दही, पनीर आदि चीजें जरूर खिलाएं। इनमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-डी और विटामिन-ई पाए जाते हैं। इनमें प्रोटीन और कैल्शियम भी पाए जाते हैं, जो बच्चे की ग्रोथ में सहायक है। कई बार शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण भी बच्चे की हाइट कम हो सकती है, इसलिए उनकी डाइट में विटामिन-डी युक्त चीजें शामिल करना जरूरी है।

हंसना मना है

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं? भिखारी - हां हैं मां जी, बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

सोनू पत्नी से- सुनती हो, अगर तुम्हारे बाल इसी रफ्तार से झड़ते रहे, तो मैं तुमको तलाक दे दूंगा। पत्नी- हे भगवान, मैं पागल अब तक इनको बचाने की कोशिश कर रही थी।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

कहानी — सच्चा पुरुषार्थ

समय के साथ ही स्वामी विवेकानंद का ज्ञान और बातें पूरी दुनिया में फैल रही थीं। उनके भाषण और बातों से भारत के लोग ही नहीं, बल्कि विदेशी भी प्रभावित थे। हर कोई उन्हें अपना आदर्श मानने लगा था। स्वामी विवेकानंद की बातों और विचारों से एक विदेशी महिला इतनी प्रभावित हुई कि मन ही मन में उन्होंने स्वामी से शादी करने की ठान ली। वो हर दिन उनके बारे में ही सोचती रहती थी। उस महिला ने स्वामी से मिलने की भी बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कुछ समय बाद एक बार वह विदेशी महिला उस प्रोग्राम में पहुंच गई जहां स्वामी विवेकानंद भी मौजूद थे। वो बिना किसी डर के स्वामी के पास पहुंची और बिना किसी डर के कहा, मैं आपसे शादी करना चाहती हूं। महिला की मन की बात को सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उनसे सवाल किया कि आखिर आप मुझसे ही शादी क्यों करना चाहती हैं। मुझमें ऐसा क्या आपने देखा है? स्वामी के सवाल का जवाब देते हुए उस विदेशी महिला ने कहा कि आपसे मैं बहुत प्रभावित हूं। आप बड़े ज्ञानी और गुणवान हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा भी बिल्कुल आपके जैसा ही हो। इसी वजह से मैं आपसे शादी करना चाह रही हूं। महिला की इस इच्छा को जानकर स्वामी ने महिला से कहा कि ऐसा होना असंभव है, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। फिर उन्होंने आगे कहा कि भले ही मैं आपसे शादी नहीं कर सकता, लेकिन आपकी इच्छा को पूरा कर सकता हूं। महिला ने स्वामी से पूछा कि वो कैसे होगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि आप मुझे ही अपना बेटा मान लीजिए और आपको मां मान लेता हूं। ऐसा करने से आपको मेरे जैसा ही बेटा मिल जाएगा। स्वामी विवेकानंद की बातों को सुनते ही महिला उनके पैरों पर गिर गई। उसने आगे कहा कि आप सचमुच बहुत बुद्धिमान हैं। मुझे आप पर गर्व है। ऐसा करके स्वामी विवेकानंद ने खुद को अच्छा पुरुष साबित किया और सच्चे पुरुषार्थ का उदाहरण दिया। असली पुरुषार्थ वही होता है जब पुरुष के मन में नारी के लिए मां जैसा सम्मान का भाव होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

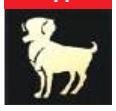

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृषभ

घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

कर्क

धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें।

सिंह

कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कन्या

पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीर्वाद मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे।

तुला

पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

वृश्चिक

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

धनु

जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मकर

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

कुम्भ

जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ रहेगी।

मीन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अपने ऐक्टर्स को ज्यादा छूट नहीं देता : सूरज बड़जात्या

सूरज बड़जात्या ने 1989 में डायरेक्टर की कुर्सी संभाली थी। उन्होंने फिल्म मैंने प्यार किया डायरेक्ट की थी। इसके बाद उन्होंने हम साथ साथ हैं, हम आपके हैं कौन और विवाह जैसी फिल्में दी हैं। अपने 35 साल के करियर में उन्होंने सिर्फ 7 फिल्में बनाई और 1 ही फ्लॉप रही। अब सूरज ने बताया कि आखिर वो इतना समय लेकर फिल्में क्यों बनाते हैं। इसी के साथ उन्होंने बताया कि शुरुआत में वो सेट पर काफी चींखते-चिल्लाते थे। एक इंटरव्यू में सूरज बड़जात्या ने बताया कि जब उन्होंने करियर शुरू किया था तो वो शॉर्ट-टेंपर और रूड थे। लेकिन समय के साथ वो विनम्र हो गए। उन्होंने कहा, जब मैंने अपना करियर शुरू किया तो मैंने बहुत हीरोइन्स को रुलाया। आप भाग्यश्री से पूछ सकते हैं। मैं उन पर चींखता और चिल्लाता था। लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि यहां प्यार और शांति होती है वहां काम होता है। लेकिन मैंने बहुत तैयारी की। मैं 200 बार अपने नैरेशन पढ़ता था। मैं हर कॉस्टयूम देखता था। मैं हर प्रॉपर्टी देखता था। मैं जो भी करता था उसके लिए तैयारी करता था। इसीलिए इसमें 5 साल लगते थे। क्योंकि मेरे लिए जब आप सेट पर होते हैं तो मैं सिर्फ क्रिएट करना चाहता हूं ना कि सही। मैं अपने एक्टर्स को ज्यादा छूट नहीं देता। इसके अलावा उन्होंने कहा, डायरेक्टर के तौर पर मैं बहुत मतलबी हूं क्योंकि मैं तब तक शुरू नहीं करना चाहता जब तक मैं तैयार न हूं। डायरेक्टर के तौर पर मैं किसी सुनता नहीं हूं। मैं हर डायलॉग के लिए होता हूं। मैं किसी कोरियोग्राफर की भी नहीं सुनता हूं। मुझे सबकुछ लिखित में चाहिए होता है। मैं संजय लीला भंसाली की तरह विजुअल डायरेक्टर नहीं हूं।

'टॉक्सिक' की शूटिंग में व्यस्त हैं कियारा आडवाणी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी पहली कन्नड़ फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक गीता मोहनदास के हाथों में है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन गैंगस्टर ड्रामा है, जिसे अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

बीते काफी समय से कियारा का करियर कुछ खास नहीं चल रहा है। ऐसे में टॉक्सिक से उन्हें काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा मेहनत भी कर रही हैं। कियारा आडवाणी इस फिल्म में दोनों भाषाओं (अंग्रेजी और कन्नड़) में अपने संवादों को प्रस्तुत करेंगी, जो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं। केजीएफ चैप्टर 2 के बाद यश इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही वजह है कि इस नई जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्सुक नजर आ रहे हैं।

टॉक्सिक का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स की ओर से किया जा रहा है। यह फिल्म इस साल वैश्विक स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग बेंगलुरु में चल रही है। निर्देशक गीता मोहनदास से दर्शक शानदार एक्शन और कहानी की उम्मीदें लगाए बैठे हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में कियारा आडवाणी को फिल्म गेम चेंजर में देखा गया था। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ दिखी थीं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। वहीं, उनकी आगामी फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ दिखेंगी।

आयशा ने रणवीर-समय मामले में कसा तंज, कहा- बिजली, पानी खराब सड़क पर भी चर्चा होनी चाहिए

यूट्यूबर्स रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना इन दिनों एक बड़े विवाद के केंद्र में हैं। यह विवाद उनके शो इंडियाज गॉट लेटेंट के एक हालिया एपिसोड के कारण हुआ है। इस एपिसोड में रणवीर ने एक प्रतियोगी से एक असंवेदनशील और आपत्तिजनक सवाल पूछा, जिसने दर्शकों को भड़का दिया। इसके बाद इस गंदी टिप्पणी पर उनकी जबर्दस्त आलोचना का सिलसिला शुरू हो गया।

इस मामले में रणवीर और समय के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। कई सेलिब्रिटी इस मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त कर चुके हैं। इनमें से अधिकांश ने शो में इस प्रकार की हंसी-मजाक की निंदा की है और इसे आपत्तिजनक और संवेदनहीन करार दिया है। हालांकि, कुछ सेलेब्स, जैसे उर्फी जावेद और राखी सावंत ने रणवीर और समय का बचाव किया है।

इस बीच अभिनेत्री आयशा खान इस पूरे विवाद पर अपने अंदाज में टिप्पणी की है। आयशा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी राय साझा करते हुए उन मुद्दों को उठाया जिन्हें वह मानती हैं कि देश में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने लिखा, हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, खराब सड़कें, ट्रैफिक जाम, वायु प्रदूषण, सामान्य सुरक्षा और डार्क कॉमेडी के मंच पर डार्क कॉमेडी। आयशा ने इस स्टोरी में आगे समाधान का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, समाधान: सबसे गंभीर मुद्दों पर कार्रवाई होनी चाहिए, वर्ना कहीं विकास रुक न जाए। काश देश में इससे बड़े मुद्दों के लिए भी सवाड़ खड़े किए जाते।

अजब-गजब | गुजरात में यहां बच्चे कर रहे खुद का बिजनेस

इन छात्रों ने की है पिछले छह से आठ महीनों में छह लाख से आठ लाख रुपये की कमाई

अमरेली आजकल शिक्षा का उद्देश्य नौकरी पाना बन गया है। अच्छी नौकरी पाने के लिए लोग कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन अमरेली जिले में स्थित डॉ. कलाम इनोवेटिव स्कूल में छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ बिजनेस भी सिखाया जाता है। यहां के छात्र स्कूल की फीस और परिवार की आर्थिक मदद कर रहे हैं। छात्रों ने छह महीनों में छह लाख रुपये की कमाई की है। आइए जानते हैं इस स्कूल के बारे में...

डॉ. कलाम इनोवेटिव स्कूल में कक्षा नौ में पढ़ने वाले गैलानी व्रज ने बताया, मैं होस्टल में रहकर पढ़ाई करता हूं। मेरे पिता खेती का काम करते हैं। स्कूल में सुबह 7:30 से 12:30 तक पढ़ाई होती है। इसके बाद दोपहर का समय खाली होता है। इस समय में हम काम करते हैं और इससे हमें आय होती है। स्कूल के 16 छात्रों ने केवाईसी स्टूडियो बनाया है, जिसमें लेजर कटिंग मशीन, प्रिंटिंग मशीन आदि हैं। इन मशीनों से हम विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं, जैसे लेडीज पर्स, बुक, डायरी, शो पीस, मोबाइल स्टैंड, मोबाइल किचन आदि। इन वस्तुओं को बेचकर हम स्कूल की फीस भरते हैं और परिवार की मदद करते हैं।

गिर गढ़डा गांव के और कक्षा नौ में पढ़ने वाले वाघेला अश्केश लखमनभाई ने बताया, मेरे पिता

गैराज का काम करते हैं। उनसे प्रेरणा लेकर मैं कलाम इनोवेटिव स्कूल के केवाईसी ग्रुप में शामिल हुआ। केवाईसी स्टूडियो में हम विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं और उन्हें बेचते हैं। अब तक मैंने 30 हजार से 35 हजार रुपये की कमाई की है।

डॉ.कलाम इनोवेटिव स्कूल के संस्थापक जय काठरोटिया ने बताया, हम पिछले दो साल से इस स्कूल को चला रहे हैं। पिछले साल एक छात्र के पिता ने 40,000 रुपये की फीस भरने के लिए अपनी बाइक बेच दी थी। यह सुनकर हमें दुख हुआ और हमने सोचा कि छात्रों को अपने माता-पिता की मदद कैसे करनी चाहिए। इसके बाद हमने स्कूल में स्टार्टअप स्टूडियो बनाने का निर्णय लिया। इस स्टूडियो में छात्र होस्टल में रहकर पढ़ाई और खेलकूद के बाद अतिरिक्त समय में काम करते हैं और विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

जय काठरोटिया ने आगे बताया, छात्र इस स्टार्टअप स्टूडियो में काम कर सकें, इसके लिए हमने लेजर कटिंग, मग प्रिंटिंग जैसी विभिन्न मशीनें विकसित की हैं। दो छात्रों ने काम शुरू किया था और अब 18 छात्र काम कर रहे हैं। B2B और B2C मार्केट में स्टूडियो में तैयार की गई वस्तुओं का बिक्री करते हैं। पिछले छह से आठ महीनों में छात्रों ने छह लाख से आठ लाख रुपये की कमाई की है।

उन्होंने आगे बताया, माता-पिता के प्रति संवेदना से लेकर छात्रों की सृजनशीलता तक की इस यात्रा को सफलता मिली है। इस स्टार्टअप से कई छात्र भविष्य में बिजनेस कर सकेंगे और अपने माता-पिता को आर्थिक संकट से बाहर निकालेंगे। छोटी उम्र में छात्र बिजनेस सीख रहे हैं और रुपये कैसे कमाए जा सकते हैं, यह सभी छात्र सीख रहे हैं। 13 से 15 साल के छात्र अपने माता-पिता की आर्थिक मदद कर रहे हैं।

दुनिया के कई देशों में लेडीबग को माना जाता है गुडलक

भारत में ही नहीं दुनिया के देशों में शगुन शास्त्र की मान्यताएं हैं। किसी पंक्षी को देखना शुभ माना जात है तो किसी जानवर को देखना बुरी किस्मत के आने का संकेत। लेकिन दुनिया में एक भौंरा है जिसे कई लोग कीड़ा समझते हैं, को लेकर एक बहुत ही अजीब तरह की मान्यता हैं। वैसे दो यूरोप और अमेरिका दोनों ही जगहों पर यह अच्छी किस्मत का संकेत माना जाता है। लेकिन स्विट्जरलैंड में इसे एक अजीब से सवाल के जवाब में शामिल किया जाता है। बच्चे जब माता से पूछते हैं कि हम आपको कहां से मिले, तो वे इसे लेडीबग से जोड़ते हैं।

ट्रस्टेड फिजिक्स की साइकिक एक्सपर्ट आध्यात्मिक गुरु जोना जोन्स का कहना है कि यूरोप और अमेरिका दोनों ही जगहों पर इसे देखना खुशकिस्मती का संकेत माना जाता है। उनके दिखने याद दिलाता है कि शांति को अपनाएं, प्रक्रिया पर भरोसा करें और छोटी छोटी बातों में खुशियां तलाश करें। यह उम्मीद का संकेत है और बताता है कि आशावाद अपनाने का समय आ गया है। इस लाल चमकीले रंग का कीड़े को सामान्य मौसमी कीड़े की तरह नहीं देखा जाता है। वैसे तो यह सर्दियों के मौसम का कीड़ा है। इंसान को काट भी सकता है। फिर भी अलग अलग संस्कृतियों में लेडी बग के देखे जाने के मायनों की कई लोक कथाएं हैं। यूरोप में माना जाता है कि लेडी बग का देखना सम्पत्ति को आकर्षित करने का संकेत होता है। इतना ही नहीं उसे देखने से बदकिस्मती दूर होती है। वही अमेरिका भी इसे देखना अच्छा संकेत है, लेकिन वहां की संस्कृति में मान्यता है कि लेडीबग पुनर्जागरण और सकारात्मक बदलाव का संकेत हैं। मुश्किल दौर में उन्हें देखना एक बहुत बढ़िया इशारा होता है। कई जगह माना जाता है कि अगर इसे आपने हाथ में पकड़ा और उसे छोड़ने के बाद वह जिस दिशा में उड़ता है, उसी तरफ आपका गुडलक होता है। दुनिया कई जगह छोटे बच्चों के कुछ सवालों को टाल दिया जाता है। इनमें सबसे आम सवाल है कि बच्चे मांबाप से पूछते हैं कि हम आपको कैसे मिले? बहुत ही जगह माता पिता इसका जवाब देते हैं कि उन्हें परी छोड़ कर गई थी। स्विट्जरलैंड में इस सवाल के जवाब के कहा जाता है, कि बच्चे उन्हें लेडी बग से मिले थे।

नेता हार से घबराएं नहीं एकजुट रहें : केजरीवाल

» पंजाब के विधायकों को आप संयोजक ने दिया गुरुमंत्र

जनता से जुड़े रहें, फिर करेंगे वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली में बैठक के बाद केजरीवाल ने विधायकों को न केवल एकजुटता का पाठ पढ़ाया, बल्कि जनता की समस्याओं को हल कर दोबारा सत्ता में आने का गुरुमंत्र भी दिया। मौजूद विधायकों की मानें तो दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने के बाद से जिस प्रकार भाजपा और कांग्रेस पंजाब में सीएम बदलने के दावे कर रही हैं, उन पर गौर करते हुए केजरीवाल ने एक-एक विधायक से उनके मन की बात जानने की कोशिश की है। पार्टी छोड़ने को तैयार विधायकों के विपक्षी दलों के दावों पर भी उनकी नब्ज टटोली है। बैठक के बाद सीएम बदलने के सवाल पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रताप बाजवा की फितरत है कि वह हमेशा भ्रामक बयानबाजी करते रहते हैं, ताकि अपनी कमियों से ध्यान भटका सकें। मेरी केंद्रीय गृह मंत्रालय के संपर्क में होने की बात भी विपक्ष का एक सफेद झूठ है। इससे पहले परिणाम आने के बाद केजरीवाल के घर वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन भी पहुंचे थे। उन्होंने दिल्ली में हार को लेकर मंथन किया था।

हर कोई भाजपा के हिडेन एजेंडे से अवगत : भगवंत मान

मान ने कहा कि हर कोई भाजपा के हिडेन एजेंडे से अवगत है। वह सत्ता के लिए कुछ भी कर सकते हैं, जबकि हम धर्म पर आधारित, ठगी या प्रतिशोध की राजनीति नहीं करते हैं। पंजाब की कानून-व्यवस्था की स्थिति कई अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। बॉर्डर स्टेट होने के नाते हमें पंजाब में अधिक अलर्ट रहना पड़ता है और हम इस पर काम कर रहे हैं। मान ने कहा कि केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। आप सरकार में पंजाब पुलिस बिना किसी राजनीतिक दबाव या प्रभाव के काम कर रही है। हमने परचा संस्कृति को समाप्त कर दिया है, जहां राजनीतिक प्रभाव पुलिस पर कार्रवाई के लिए दबाव बनाता था।

मान की बेचैनी नहीं हुई कमः जाखड़

पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि दिल्ली में बैठक के बाद भी सीएम मान की बेचैनी कम नहीं हुई है। दिल्ली में आप की करारी हार के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री को लेकर जो भी बातें सामने आ रही हैं, इस पर कम से कम एक बात निश्चित रूप से कही जा सकती है कि कपूरथला हाउस में आज जो भी हुआ, उसने सीएम भगवंत मान की मौजूदा स्थिति को शांत करने के लिए कुछ नहीं किया। जाखड़ ने कहा कि मान मीडिया से बातचीत करते हुए व्याकुल नजर आए, चुटकुले चुटकले सुनाना तो दूर, आज बोलते हुए उनके अपने सुर, ताल मेल नहीं खा रहे थे।

भाजपा शासन की अनियमितताओं पर अन्ना साध लेते हैं चुप्पी : राउत

» शिवसेना यूबीटी नेता बोले- हजारे को दिल्ली में रामलीला और जंतर-मंतर जाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अन्ना हजारे पर 2014 के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज नहीं उठाने का आरोप लगाया। राउत ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने अन्ना हजारे को महात्मा बना दिया। उनके बिना अन्ना दिल्ली भी नहीं देख पाते। 2014 के बाद भाजपा शासित केंद्र और महाराष्ट्र में खूब अनियमितताएं हुईं, लेकिन अन्ना ने एक शब्द भी नहीं कहा।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध जताने के लिए अन्ना को दिल्ली में रामलीला और जंतर मंतर जाना चाहिए था। इसका जवाब देते हुए अन्ना ने कहा कि एक खास नजरिया रखने वाला व्यक्ति दुनिया को उसी तरह से देखता है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्सिले की यात्रा पर राउत ने कहा कि उस स्थान पर जाना गलत नहीं है जहां से वीर सावरकर बच निकले थे। यह हमारे लिए गर्व की बात है। वहीं, एकनाथ शिंदे को महादजी शिंदे राष्ट्रीय गौरव अवार्ड दिए जाने पर भी राउत ने कहा कि आपको पता है कि यह अवार्ड उन्हें किसने दिया है। ऐसे अवार्ड खरीदे-जाते हैं या बेचे जाते हैं। हालांकि, यूबीटी नेता संजय राउत ने बाद में स्पष्ट किया कि इस फैसले का एमवीए के भविष्य से कोई लेना-देना नहीं है और यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि स्थानीय चुनावों में गठबंधन कार्यकर्ताओं के लिए अवसरों को कम करता है। इस विवाद को सुलझाने के लिए ठाकरे ने शरद पवार से उनके दक्षिण मुंबई स्थित आवास पर मुलाकात भी की थी।

पीएम का मार्सिले जाना गलत नहीं : संजय

उद्धव की सेना शिंदे को सम्मानित करने पर शरद पवार से नाराज

महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के भीतर बढ़ती दरार के बीच, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने राज्य के उपमुख्यमंत्री को सम्मानित करने के लिए शरद पवार से नाराजगी जताई है। उद्धव ठाकरे ने एनसीपी-एससीपी प्रमुख द्वारा शिंदे को दिए गए महादजी शिंदे राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार पर नाराजगी जताई है। ठाकरे ने कहा है कि पवार को उपमुख्यमंत्री को सम्मानित नहीं करना चाहिए था, क्योंकि उन्होंने शिवसेना को तोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि पवार को ठाकरे परिवार की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए था।

झूठे मामले में फंसाया जा रहा : अमानतुल्लाह

» पुलिस को लिखा पत्र, बोले- मैं कहीं नहीं भागा, यहीं हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता और विधायक अमानतुल्लाह खान ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है। आप विधायक ने कहा वे कहीं नहीं गए हैं और अपने विधानसभा में ही मौजूद हैं। उनका कहना है कि उन्हें झूठे केस में फंसाया जा रहा है। आप के अनुसार अमानतुल्लाह ने लिखा, जिस व्यक्ति को दिल्ली पुलिस गिरफ्तार करने आई थी, उसे पहले ही जमानत मिल चुकी है। जब उस व्यक्ति ने अपने कागजात दिखाए, तो पुलिस अपनी गलती छिपाने के लिए मुझे झूठे मामले में फंसा रही है। ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान व उनके समर्थकों के खिलाफ पुलिस टीम पर हमला करने, दंगा भड़काने और सरकारी काम में बाधा डालने आदि धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई अपराध शाखा की टीम की गिरफ्त से हत्या के प्रयास के आरोपी शाबाज खान को छुड़ाने पर की गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम देर शाम को पूछताछ करने विधायक के घर गई थी, लेकिन वह नहीं मिले। दरअसल अपराध शाखा की टीम जामिया नगर में बदमाश को पकड़ने गई थी। विधायक की मौजूदगी में पुलिस कार्रवाई में बाधा डाली गई।

सीधा पार्टी हाई कमान को दूंगा जवाबः विज

» कारण बताओ नोटिस पर भाजपा नेता ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में सत्ताधारी भाजपा ने अपने ही वरिष्ठ विधायक और कैबिनेट मंत्री अनिल विज को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली पर उनकी हालिया टिप्पणियों के बाद जारी हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने विज को नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा। वहीं अब अनिल विज की नोटिस पर पहली प्रतिक्रिया भी सामने आई है। मंगलवार शाम को अनिल विज चंडीगढ़ पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया ने उनसे शोकॉज नोटिस पर सवाल पूछे।

इस पर विज ने कहा कि पार्टी की तरफ से भेजे गए शोकॉज नोटिस के बारे में उन्हें मीडिया से ही पता चला था, लेकिन जवाब मीडिया माध्यम से नहीं दूंगा, सीधा पार्टीहाई कमान को दूंगा। विज ने कहा कि मैं तीन दिन बाद बेंगलुरु से आया हूं।

सबसे पहले मैं घर जाऊंगा, ठंडे पानी से नहाऊंगा, रोटी खाऊंगा फिर बैठकर जवाब लिखूंगा और पार्टी हाईकमान को भेजूंगा। मुझे ये पता नहीं है कि किसकी सहमति से मुझे नोटिस भेजा है। मुख्यमंत्री दिल्ली चुनाव के लिए प्रचार में जुटे हुए थे। दिल्ली की जीत के बाद पार्टी ने अनिल विज को नोटिस देकर सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं में अनुशासन का कड़ा संदेश दिया है। उधर राजस्थान में भाजपा नेता किरोड़ी लाल मीणा अपनी ही सरकार से नाराज चल रहे हैं। फोन टैपिंग जैसे मुद्दे पर वह विधान सभा में उठा चुके हैं। उनकी इस तरह की गतिविधियों को पार्टी ने संज्ञान में लेते हुए उन्हें भी नोटिस दे दिया है।

दिल्ली चुनाव के दौरान विज ने दिया था बयान

अनिल विज ने मुख्यमंत्री के उड़नखटोले पर सवार होने तथा नीचे उतरकर जनता की सुनवाई करने का बयान देने के साथ ही कसौली दुष्कर्म कांड के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली से इस्तीफा मांगा था। पार्टी यदि विज के जवाब से संतुष्ट नहीं होती तो उनके मंत्री पद पर खतरा हो सकता है। विज ने यह बयान उस समय दिया था जब दिल्ली में विधानसभा चुनाव चल रहे थे।

चैंपियंस ट्रॉफी : हर्षित–वरुण को मौका

» मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल

बुमराह-जायसवाल टीम से हुए बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 19 फरवरी से शुरू होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बीसीसीआई ने अपडेटेड स्क्वॉड का एलान कर दिया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ में चोट के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को जायसवाल की जगह टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने मोहम्मद सिराज, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल को रिजर्व के तौर पर रखा है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बीसीसीआई ने अपने फाइनल स्क्वॉड में दो बदलावों के साथ 15 सदस्यीय स्क्वॉड की सूची आईसीसी को सौंप दी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पिछले महीने घोषित हुई भारत की 15 सदस्यीय टीम में बुमराह का नाम शामिल था, लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए जो 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम सीरीज है। तेज गेंदबाज की गैरमौजूदगी से भारतीय टीम को तगड़ा झटका लगा है। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज में हर्षित और वरुण को डेब्यू का मौका मिला था। राणा ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे मैच से डेब्यू किया और उन्होंने मध्य ओवरों में प्रभावित भी किया है। दूसरी तरफ, स्पिनर वरुण को भी भारत से डेब्यू का मौका दिया जो इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में प्रभावित करने में सफल हुए थे।

ऑस्ट्रेलिया की टीम में पांच बदलाव, स्मिथ बने कप्तान

सिडनी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने फाइनल स्क्वॉड का एलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल चोट से ग्रस्त चल रही है। टीम के कई बड़े खिलाड़ी चोटिल हैं और ऐसे में मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली को पांच बड़े बदलाव करने पड़े। ऑस्ट्रेलिया को सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब टीम के तीन मुख्य तेज गेंदबाज कप्तान पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क अलग-अलग कारणों से टूर्नामेंट से बाहर हो गए। कमिंस और हेजलवुड चोटिल हैं, जबकि स्टार्क ने निजी कारणों से टूर्नामेंट से हटने का फैसला लिया है। वहीं, मार्कस स्टोइनिस ने वनडे से संन्यास ले लिया और मिचेल मार्श चोटिल हो गए हैं। अब चैंपियंस ट्रॉफी में कमिंस की जगह स्टीव स्मिथ कप्तानी करते दिखेंगे।

संविधान के मूल स्वरूप के साथ खिलवाड़ करने संबंधी बयान पर घमासान

बीजेपी ने उठाया संसद में मुद्दा, भाजपा के आरोपों को कांग्रेस ने नकारा

मोदी सरकार ने संविधान के हर मूल्य की धज्जियां उड़ाईं : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संविधान के मूल स्वरूप के साथ खिलवाड़ करने संबंधी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों को लेकर कहा कि संविधान के प्रकाशकों ने चित्रों को नहीं, संविधान के मूल्यों को तवज्जो दी थी। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार ने संविधान के हर मूल्य की धज्जियां उड़ाई हैं।

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, संविधान में जो 22 चित्र हैं, वो महात्मा गांधी जी के कहने पर मशहूर चित्रकार नंदलाल बोस जी ने बनाए थे। चित्रों के साथ अद्भुत सुलेख का काम प्रेम बिहारी नारायण रायजादा जी द्वारा किया गया था, जिन्होंने भुगतान के बदले में नेहरू से पूछा था कि क्या वह पांडुलिपि में उनके नाम पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। नेहरू जी इस पर सहमत हो गए। उनका उपनाम प्रेम पांडुलिपि के सभी पृष्ठों पर दिखाई देता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि संविधान हम भारत के लोग ने बनाया है। उन्होंने कहा, आम जनता की सहूलियत के लिए जिन्होंने भी संविधान की प्रतियां छापी हैं, उन्होंने सुलेख और चित्र के बजाय, उसके मूल्यों को तवज्जों दी है। यही संविधान के रचनाकार, हमारे महान पूर्वज भी चाहते थे। यही दशकों से चला आ रहा है। उन्होंने बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के एक कथन का जिक्र किया और आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पिछले साढ़े दस वर्षों में संविधान के हर मूल्य की धज्जियां उड़ाने का काम किया है, इसलिए लोकसभा चुनाव के दौरान जनता ने उन्हें सबक सिखाया और 400 पार से दूर रखा। खरगे ने कहा इससे पहले हमने देखा कि भरी संसद में किस तरह गृह मंत्री अमित शाह ने बाबासाहेब पर आपत्तिजनक टिपण्णी करके भारत के संविधान शिल्पी का अपमान किया था, इस देश के वंचितों का अपमान किया था।

संस्कृत पर मारन की टिप्पणी अनुचित : शिक्षा मंत्री प्रधान

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा की कार्यवाही का एक साथ अनुवाद उपलब्ध कराए जाने वाली भाषाओं में संस्कृत को शामिल करने की द्रमुक सांसद दयानिधि मारन द्वारा की गई आलोचना को मंगलवार को अनुचित करार दिया और कहा कि एक भाषा को बढ़ावा देने के लिए दूसरी भाषा को कमतर करने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रधान ने एक्स पर कहा, संस्कृत पर दयानिधि मारन की अनुचित टिप्पणी न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि भारत की भाषाई विरासत की बात आने पर द्रमुक के चुनिंदा आक्रोश, पाखंड और दुष्प्रचार को भी उजागर करती है। विभाजनकारी राजनीति में लिप्त होना करदाताओं के पैसे की वास्तविक बर्बादी है।

लघुचित्रों वाले एवं हस्ताक्षरित संविधान की मूल प्रति ही प्रामाणिक, इसी का प्रकाशन हो : धनखड़

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संविधान निर्माताओं द्वारा हस्ताक्षरित और भारत की 5,000 साल पुरानी संस्कृति को प्रदर्शित करते 22 लघु चित्रों वाली प्रति ही संविधान की एकमात्र प्रामाणिक प्रति है और इसमें केवल संसद द्वारा संशोधन शामिल किए जा सकते है।उन्होने सरकार से यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि संविधान की प्रामाणिक प्रति का ही प्रकाशन (डिजिटल सहित) हो और इसमें किसी भी उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य राधामोहन दास अग्रवाल द्वारा इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद सभापति ने यह व्यवस्था दी। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने सदस्यों को आश्वस्त किया कि सरकार सुनिश्चित करेगी कि मूल संविधान की प्रति ही बाजार में उपलब्ध हो। अग्रवाल ने कहा कि आज देश का आम नागरिक हो या फिर विधि शास्त्र का छात्र, अगर वह भारत के संविधान की प्रति बाजार में खरीदने जाता है तो उसे वह मूल प्रति नहीं प्राप्त होती है, जिस पर 26 जनवरी 1949 को संविधान निर्माताओं ने हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने दावा किया कि भारत के संविधान के साथ असंवैधानिक तरीके से खिलवाड़ किया गया और इसके कुछ प्रमुख हिस्सों को निकाल दिया गया।

तृणमूल कांग्रेस सदस्य डेरेक ओब्रायन ने भी उठाई बात

तृणमूल कांग्रेस के सदस्य डेरेक ओब्रायन ने सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि यहां उनके कम्प्यूटर में संविधान के 404 पन्ने है और इसमें भी चित्र नहीं है तो क्या यह भी अवैध है।

आरएसएस की विचारधारा थोप रही सरकार : मारन

द्रमुक नेता दयानिध मारन ने लोकसभा में आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा के कारण लोकसभा की कार्यवाही का संस्कृत में अनुवाद करके करदाताओं का पैसा बर्बाद किया जा रहा है, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पलटवार करते हुए कहा कि संस्कृत भारत की मूल भाषा रही है। बिरला ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, आप किस देश में रह रहे है? यह भारत है। भारत की मूल भाषा संस्कृत रही है। ।

दिल्ली में एक-दो नहीं 10 विधायकों ने पेश की मुख्यमंत्री की दावेदारी!

- कई नेताओं ने नड्डा से मिलकर दावा किया
- पीएम मोदी के विदेश से लौटने के बाद सीएम के नाम का होगा एलान
- महाराष्ट्र की तरह दिल्ली में भी सीएम पद के लिए सिर फुटव्वल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र फार्मूले पर लड़ा गया दिल्ली चुनाव में भी कोमोवेश मुख्यमंत्री के नाम को लेकर सिर फुटव्वल की नौबत है। दिल्ली में एक, दो नहीं बल्कि दस विधायकों ने खुद को मुख्यमंत्री के लायक बताया है और जेपी नडडा से मिलकर दावेदारी पेश की है। बीती रात विधायक विजेंद्र गुप्ता, रेखा गुप्ता, अरविंदर सिंह लवली, अजय महावर, सतीश उपाध्याय, शिखा राय, अनिल शर्मा, डॉ. अनिल गोयल, कपिल मिश्रा और कुलवंत राणा ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की।

दिल्ली चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद बीजेपी ने सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसे में बीती रात भाजपा विधायकों की जेपी नड्डा से मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। इससे पहले कुछ नवनिर्वाचित विधायकों ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से भी मुलाकात की। अरविंद केजरीवाल को हराने वाले नई दिल्ली के विधायक प्रवेश वर्मा, कैलाश गहलोत और अरविंदर सिंह लवली समेत जीते हुए तमाम विधायकों ने एलजी से मुलाकात की थी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा विधायकों से मिलने के बाद गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने उनके आवास पर गये और दिल्ली के मुख्यमंत्री के नाम को लेकर गहन? विचार विमार्श किया। मिली जानकारी के मुताबिक, जल्द ही भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नवनिर्वाचित विधायक विधायक दल के नेता का चयन करेंगे। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को 48 सीटों पर जीत मिली है जबकि आप को 22 सीटें मिली हैं। कांग्रेस का वोट ?प्रतिशत तो बड़ा लेकिन उसका दिल्ली चुनाव में खाता नहीं खुला है।

बीजेपी में गुटबाजी, वे आपस में लड़ रहे : प्रियंका कक्कड़

सीएम के फैसले में देरी को लेकर आम आदमी पार्टी अब भाजपा पर तंज कस रही है। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि ये बीजेपी में गुटबाजी के सीधे संकेत हैं। 10-10 के समूह में गुट एक साथ आ रहे हैं क्योंकि वे (बीजेपी) यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि दिल्ली का सीएम कौन बनेगा। कक्कड़ ने कहा कि वे आपस में लड़ रहे हैं, लेकिन इस लड़ाई में दिल्ली के लोगों को नुकसान क्यों उठाना चाहिए? उन्होंने कहा कि हम लगातार बैठकें कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल संगठन से मिल रहे हैं। आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के दिल्ली चुनाव प्रभारी बैजयंत पांडा ने पार्टी की राज्य इकाई की बैठक की अध्यक्षता की।

प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत की कांग्रेस में वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी, जो 2021 में टीएमसी में शामिल हुए थे, कांग्रेस पार्टी में लौट आए। कांग्रेस पार्टी में औपचारिक रूप से वापसी के बाद अभिजीत ने दूसरी पार्टी में शामिल होने को गलती बताया।

गौरतलब है कि पिछले साल जून में अभिजीत ने कांग्रेस पार्टी में दोबारा शामिल होने की इच्छा जताते हुए कहा था, टीएमसी की कार्य संस्कृति कांग्रेस से बिल्कुल भी मेल नहीं खाती है। इससे पहले कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने बताया कि वह (अभिजीत मुखर्जी) पिछले साल से नेतृत्व और राज्य पीसीसी के संपर्क में थे। आज, यह निर्णय लिया गया है कि अभिजीत मुखर्जी (प्रणब मुखर्जी के बेटे) फिर से कांग्रेस में शामिल होंगे। टीएमसी द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ अन्य दल भी थे जिन्होंने अकेले चुनाव लड़ा था जहां हाल ही में चुनाव हुए थे। कई बार वे कहते हैं कि कांग्रेस एक बड़ी पार्टी है, इसलिए कांग्रेस को दूसरों को साथ लेना चाहिए।

ठेकेदार है गायब, किसके खिलाफ करायें एफआईआर

- जेई ने डाला आईजीआरएस इंजीनियर और ठेकेदार से मिलीभगत का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कैसरबाग में बालाकदर रोड पर दुरुस्त इंटरलॉकिंग उखाड़कर नई टाइल्स बिछाने के फर्जीवाड़े में इंजिनियर और ठेकेदार को बचाने का पूरा प्रयास किया गया है। फर्जीवाड़ा उजागर होने पर मेयर की नाराजगी देख जेई अरुण कुमार मेहता ने ई-एफआईआर कराए जाने का दावा किया था, लेकिन सिर्फ आईजीआरएस (जनसुनवाई समाधान) डाल अधिकारियों को गुमराह किया।

एफआईआर की जगह आईजीआरएस डालने के पीछे जेई की क्या मंशा थी इसका अभी पता नहीं चल सका है। मामला उजागर होने पर चीफ इंजीनियर ने जेई से स्पष्टीकरण मांगा है। पुलिस के मुताबिक किसी भी मामले में आरोपित अगर अज्ञात है पुलिस के ऑनलाइन पोर्टल यूपी कॉप पर ई-एफआईआर दर्ज करवाई जाती है। पोर्टल के माध्यम से एप्लिकेशन संबंधित थाने को ट्रांसफर की जाती है।दो से तीन दिन के अंदर पुलिस एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु कर देती है। लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया। संबंधित जेई अरुण कुमार मेहता ने आईजीआरएस डालकर सिर्फ खानापूर्ति की।

विवादों से रहा है पुराना नाता

जेई अरुण मेहता पूर्व में जोन 7 में तैनात थे। तैनाती के दौरान अरुण पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे। सड़क निर्माण को लेकर लाखों रूपये गबन करने का भी आरोप लगा। इसके बाद इनका ट्रांसफर कानपुर किया गया। ऊंची पहुंच के चलते अधिकारियों ने अरुण के आगे घुटने टेक दिए और दोबारा बुलाकर फिर चार्ज दे दिया।

> कैसरबाग पुलिस के मुताबिक आईजीआरएस में जांच कर ठेकेदार और इंजीनियर के बारे में पता लगाए जाने का जिक्र था। लेकिन घटना के बाद काम करने वाले ठेकेदार और मजदूर भाग गए। इसलिए किसी से भी पूछताछ नहीं की जा सकी। नगर निगम की ओर से सहयोग न मिलने की वजह से न ठेकेदार का पता चला न इंजीनियर का। इसके बाद जांच रिपोर्ट लगाकर फाइल बंद कर दी गई। - **सुनील सिंह,** इंस्पेक्टर कैसरबाग

> जेई अरुण कुमार मेहता ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने का दावा किया था। उन्होंने आईजीआरएस किसके कहने पर डाला इसकी जांच की जाएगी। - **किशोरी लाल** एक्सियन

ट्रंप का एक और फैसला अप्रवासी भारतीयों की बढ़ाएगा टेंशन

- एच-1 बी वीजा वाले भारतीय होंगे सबसे ज्यादा प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका पहुंचने वाले हैं पर उनके मित्र राष्ट्रपति अपने फैसले लेना नहीं छोड़ रहे हैं जिससे भारत को नुकसान होने वाला है।

ट्रंप ने अस्थायी वीजा होल्डर के बच्चों के लिए जन्मसिद्ध नागरिकता पर प्रतिबंध लगाने का कार्यकारी आदेश दिया था, जो अप्रवासियों के लिए एक झटका था। इस आदेश से भारतीयों को ज्यादा झटका लगा था। हालांकि, कानूनी चुनौती के कारण फिलहाल इस नीति पर रोक लग गई है। लेकिन हजारों भारतीय अधर में लटक गए हैं, जो जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं।

जो भारतीय एच-1बी वीजा के तहत अमेरिका में काम कर रहे हैं, उनको जोर का झटका लगा है। जो जल्द माता-पिता बनने वाले हैं, उन्हें लगा था अमेरिका में जन्म लेने पर उनके बच्चे को खुद ही वहां की नागरिकता मिल जाएगी। लेकिन ट्रंप की नीति ने इस उम्मीद को खतरे में डाल दिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।